



# झारखण्ड गजट

## असाधारण अंक

### झारखण्ड सरकार द्वारा प्रकाशित

17 माघ, 1941 (श०)

संख्या- 80 राँची, गुरुवार,

6 फरवरी, 2020 (ई०)

कार्मिक, प्रशासनिक सुधार तथा राजभाषा विभाग,

संकल्प

29 जनवरी, 2020

**संख्या-5/आरोप-1-138/2017-580 (HRMS)--** श्री राजेश कुमार, झा0प्र0से0 (तृतीय बैच, गृह जिला-गिरिडीह), तत्कालीन अंचल अधिकारी, मोहनपुर, देवघर के विरुद्ध रिखिया घाट स्थित तीन दुकानों की बंदोबस्ती एक ही परिवार के तीन सदस्यों-पति, पत्नी एवं पुत्री के साथ करने संबंधी आरोपों हेतु अवर सचिव, लोकायुक्त का कार्यालय, झारखण्ड, राँची के पत्रांक-4038, दिनांक 12.09.2017 द्वारा माननीय लोकायुक्त, झारखण्ड द्वारा दिनांक 04.09.2017 को पारित आदेश की प्रति उपलब्ध कराते हुए इनके विरुद्ध विधि सम्मत कार्रवाई करने का अनुशंसा किया गया। माननीय लोकायुक्त, झारखण्ड द्वारा की गयी अनुशंसा एवं उपलब्ध कराये गये साक्ष्यों के आधार पर श्री कुमार के विरुद्ध विभाग स्तर पर प्रपत्र-क में आरोप गठित किया गया है, जिसमें इनके विरुद्ध निम्न आरोप प्रतिवेदित किया गया-

1. श्री राजेश कुमार, तत्कालीन अंचलाधिकारी, मोहनपुर, देवघर द्वारा रिखिया घाट परिसर में अवस्थित कुल तीन दुकानों की बंदोबस्ती एक ही परिवार के तीन सदस्यों-पति, पत्नी एवं पुत्री के नाम पर की गयी।

2. माननीय लोकायुक्त, झारखण्ड द्वारा उक्त मामले की जाँच के क्रम में इनके द्वारा समर्पित स्पष्टीकरण, दिनांक 07.06.2017 में दखलकारों के विषय में जानकारी प्राप्त करने के बावजूद यह प्रतिवेदित नहीं किया कि तीनों दुकानों के दखलकार एक ही परिवार के व्यक्ति हैं। इस प्रकार इनके द्वारा माननीय लोकायुक्त, झारखण्ड को भ्रामक प्रतिवेदन समर्पित किया गया।

3. इनका उक्त कृत्य सरकारी सेवक आचार नियमावली के नियम-3 के प्रतिकूल है एवं दण्डनीय है। उक्त आरोपों के लिए विभागीय पत्रांक-11848, दिनांक 04.12.2017 द्वारा श्री कुमार से

स्पष्टीकरण की माँग की गयी। इसके अनुपालन में श्री कुमार के पत्र, दिनांक 16.03.2018 द्वारा स्पष्टीकरण समर्पित किया गया। श्री कुमार द्वारा समर्पित स्पष्टीकरण विभागीय पत्रांक-3416, दिनांक 22.05.2018, पत्रांक-4400, दिनांक 14.06.2018, पत्रांक-8271, दिनांक 05.11.2018 एवं अर्द्ध सरकारी पत्र सं0-53, दिनांक 03.12.2018 द्वारा उपायुक्त, देवघर से मंतव्य की माँग की गयी।

उपायुक्त, देवघर के पत्रांक-09/सा0, दिनांक 03.01.2019 द्वारा मंतव्य उपलब्ध कराया गया।

श्री कुमार के विरुद्ध प्रतिवेदित आरोप, इनके स्पष्टीकरण एवं उपायुक्त, देवघर से प्राप्त मंतव्य की समीक्षा की गयी एवं समीक्षोपरांत विभागीय संकल्प सं0-1727(hrms), दिनांक 11.04.2019 द्वारा इनके विरुद्ध विभागीय कार्यवाही संचालित की गयी, जिसमें श्री विनोद चन्द्र झा, सेवानिवृत्त भा0प्र0से0, विभागीय जाँच पदाधिकारी, झारखण्ड को संचालन पदाधिकारी नियुक्त किया गया।

संचालन पदाधिकारी, श्री झा के पत्रांक-163, दिनांक 01.07.2019 द्वारा विभागीय कार्यवाही का जाँच प्रतिवेदन समर्पित किया गया है। संचालन पदाधिकारी द्वारा श्री कुमार के विरुद्ध प्रतिवेदित आरोप सं0-2 को आंशिक रूप से सही एवं आरोप सं0-3 के संबंध में उल्लेख किया गया कि आरोपी द्वारा कर्तव्य के निर्वहन के क्रम में कुछ चूक हुई, जो सरकारी सेवक आचार नियमावली के नियम-3(i)(ii) के प्रतिकूल है।

श्री कुमार के विरुद्ध प्रतिवेदित आरोप, इनके द्वारा विभागीय कार्यवाही के दौरान समर्पित बचाव बयान एवं संचालन पदाधिकारी के मंतव्य की समीक्षा की गयी।

समीक्षोपरांत, संचालन पदाधिकारी के जाँच प्रतिवेदन से सहमत होते हुए श्री राजेश कुमार, तत्कालीन अंचल अधिकारी, मोहनपुर, देवघर के विरुद्ध इस मामले में झारखण्ड सरकारी सेवक (वर्गीकरण, नियंत्रण एवं अपील) नियमावली, 2016 के नियम-14(iv) के अन्तर्गत असंचयात्मक प्रभाव से दो वेतनवृद्धि पर रोक का दण्ड अधिरोपित किया जाता है।

Sr No.	Employee Name G.P.F. No.	Decision of the Competent authority
1	2	3
1	RAJESH KUMAR JHK/JAS/156	श्री राजेश कुमार, झा0प्र0से0 (तृतीय बैच, गृह जिला-गिरिडीह), तत्कालीन अंचल अधिकारी, मोहनपुर, देवघर के विरुद्ध झारखण्ड सरकारी सेवक (वर्गीकरण, नियंत्रण एवं अपील) नियमावली, 2016 के नियम-14(iv) के अन्तर्गत असंचयात्मक प्रभाव से दो वेतनवृद्धि पर रोक का दण्ड अधिरोपित किया जाता है।

झारखण्ड राज्यपाल के आदेश से,

**अशोक कुमार खेतान**  
सरकार के संयुक्त सचिव।  
जीपीएफ संख्या: BHR/BAS/2972

-----